आकाशवाणी चंडीगढ़

7 अगस्त 2025, समय 1810

मुख्य समाचार :-

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत अपने किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।

2. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि अनुसंधान, स्वास्थय, कृषि प्रौद्योगिकी व् कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में हरियाणा इजराइल से मिलकर काम करेगा।

3. उत्तर भारत के संयोजक डॉ. राजेश गोयल ने कहा है कि भारत को आर्थिक दृष्टि से समृद्ध व् आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी को अपनाना ज़रूरी है।

4. आज पंचकूला में विभाजन विभीषिका समृति दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन कर विभाजन की त्रासदी झेलने वालों को याद किया गया।

5. निर्वाचन आयोग ने उप - राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने हेतु अधिसूचना जारी की।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत अपने किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। नई दिल्ली में एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती पर खर्च कम करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि राष्ट्र की प्रगति का आधार किसानों की शक्ति है।

हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों के, पशुपालकों के और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।

श्री मोदी ने कहा कि डॉक्टर स्वामीनाथन ने भारत को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के आंदोलन का नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुग्ध, दाल और जूट के उत्पादन में विश्व में नंबर एक है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष देश में अब तक का सबसे अधिक अन्न उत्पादन हुआ। श्री मोदी ने कहा कि डॉ० स्वामीनाथन ने जैव खुशहाली का मंत्र दिया।

****

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भगीरथ चौधरी ने कहा कि 2014 से प्रधानमंत्री मोदी लगातार देश के किसानों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि चाहे किसान सम्मान निधि देने की बात हो, चाहे एमएसपी बढ़ाने की बात हो, चाहे कृषि बजट को पांच गुना बढ़ाने की बात हो, चाहे जैविक खेती को बढ़ावा देने की बात हो। अनेक उपाय किए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री जी का सपना है कि इस देश के किसानों की आमदनी दोगुनी हो।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि अनुसंधान, स्वास्थ्य, कृषि प्रौद्योगिकी, उन्नत सिंचाई प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सहित कई क्षेत्रों में हरियाणा और इजरायल मिलकर काम करेंगे।

आज संत कबीर कुटीर चण्डीगढ़ में भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आपसी सहयोग के साथ अन्य विषयों पर चर्चा की।

चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि चर्चा के दौरान हरियाणा में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर और आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, हिसार में इंटीग्रेटेड एविएशन हब और विदेश में नौकरी के लिए अधिक काम करने पर बल दिया गया।

हरियाणा विदेश सहयोग विभाग के तहत विदेश में नौकरी के माध्यम से अब तक 180 से अधिक युवा इजराइल में नौकरी कर रहे है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य इजराइल के साथ और विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाना चाहता है। हरियाणा में प्रदूषित पानी को सिंचाई में प्रयोग करने व पानी को कृषि योग्य एवं पीने योग्य बनाने के लिए इजराइल के साथ नई तकनीक पर कार्य करेंगे।

****

भारत को आर्थिक दृष्टि से समृद्ध एवं संपन्न बनाने के लिए शुरू किए गए स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबी भारत अभियान के तहतपंचकूला जिले में लोगों को जागरूक किया जा रहा हैं।

इसी संदर्भ में आज पंचकुला में स्वावलंबी भारत अभियान के उत्तर भारत के संयोजक डॉ राजेश गोयल, ने एक पत्रकारवार्ता को संबोधित किया । इस अवसर पर अभियान के जिला संरक्षक बी . बी .सिंघल

व अन्य गणमान्य व स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी ने इस अभियान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ राजेश गोयल ने कहा –

उन्होंने ने बताया कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस प्रकार से चीन तुर्की आदि देशों ने पाकिस्तान का समर्थन किया इसको लेकर भारत में काम करने वाले सभी संगठनों ने 12 जून को दिल्ली के अंदर 600 से अधिक धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक व्यापारिक राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने एकत्रित होकर विचार मंथन किया । जिसमें यह निर्णय लिया गया कि भारत को अगर दुनिया में समृद्ध सशक्त बनना है तो वॉकल फॉर लोकल को अपनाकर स्वालंबी तथा आत्मनिर्भर बनना होगा।

डॉ राजेश गोयल ने कहा –

उन्होंने बताया कि इस अभियान की प्रथम बैठक 23 जून 2025 को पंचकूला में आयोजित हुई थी, जिसके बाद से अब तक 75 से भी अधिक बैठकें पंचकूला एवं आस-पास के क्षेत्रों में

की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के लिए 10 प्रमुख आयाम तय किए गए हैं, जिनके माध्यम से स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार, युवाओं में जागरूकता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता को गति दी जा रही है।

****

आज पंचकूला में भाजपा मुख्यालय पंचकमल में विभाजन विभीषिका - स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे पंचकूला विधानसभा प्रभारी घनश्याम दास अरोड़ा ने बतौर मुख्य वक्ता भाग लिया।

श्री घनश्याम दास अरोड़ा ने बंटवारे के समय घटी घटनाओ का ज़िक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महसूस किया कि आजादी से एक दिन पहले विभाजन की त्रासदी झेलेने वालों को भी याद किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा की विभाजन का ज़ख्म बहुत ही गहरा था, लाखो परिवार एक दूसरे से बिछड़ गए, अपना सर्वस्व छोड़ जान बचा कर हिन्दुस्तान में शरणार्थी बन कर आये। उन्होंने एक कपड़े में गुजारा कर आभाव में जीवन बिताया और अपने जीवकोपार्जन के लिए कड़ी मेहनत करते हुए समाज में बड़ा मुकाम हासिल किया।

उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नो में ये दुनिया का सबसे बड़ा और भयावह पलायन था, जिसमे लगभग डेढ़ करोड़ लोगो ने पलायन किया था और 10 लाख से अधिक लोगों की हत्या कर दी गयी थी।

****

निर्वाचन आयोग ने आज उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अधिसूचना जारी कर दी। हमारे संवाददाता ने बताया है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन 21 अगस्त तक दाखिल किए जा सकते हैं और मतदान 9 सितंबर को होंगे।

पिछले महीने उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह चुनाव आवश्यक हो गया है। इस चुनाव में 17 वां उपराष्ट्रपति चुना जाएगा।

अधिसूचना के अनुसार नामांकन पत्रों की जाँच 22 अगस्त को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तिथि इस महीने की 25 तारीख है । मतगणना नौ सितंबर को होगी।

****

सामाजिक संस्था सेवा भारती की कुरुक्षेत्र इकाई द्वारा 9 अगस्त को रक्षाबंधन सीमा पर तैनात भारतीय सेना के जवानों के साथ मनाएगी। रक्षाबंधन के अवसर पर संस्था के लोग और बच्चे कुरुक्षेत्र की वात्सल्य वाटिका में 16 बालिकाओं की ओर से गाय के गोबर से तैयार की जा रही राखियों को जवानों को बांधने के लिए सीमा पर जा रहे हैं ।

वात्सल्य वाटिका के संस्थापक स्वामी हरी ओम दास ने बताया –

सेवा भारती की ओर से इस बार 21 हजार कलाईयों पर गौ उत्पाद से तैयार की गई राखियां बांधने का लक्ष्य रखा गया है, जिसका उद्देश्य गौ संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और संस्कृति संरक्षण को बढ़ावा देना है। इन राखियों को तैयार करने में जहां गोमय पाउडर, इमली पाउडर का प्रयोग किया जा रहा है तो वहीं खुशबू के लिए तुलसी के बीजों का भी प्रयोग किया गया है।

गोमय स्वावलंबी यात्रा संयोजक तरुण जैन ने बताया कि आजकल प्रचलन में आया है कि चाइनीज धागा और चाइनीज राखी का प्रयोग ज्यादा हो रहा है।इन राखियों को तैयार करने का मकसद लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के बारे में जागरूक करना है।

****